श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति

अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ

SHRI PARAMHANS RAMKRISHNA CHALISA – STUTI

WITH ENGLISH TRANSLATION

कवि (POET)

डा. यतेन्द्र शर्मा (DR YATENDRA SHARMA)

श्री राम कथा संस्थान पर्थ

SHRI RAM KATHA SANSTHAN PERTH

ऑस्ट्रेलिआ – ६०२५

AUSTRALIA - 6025

श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति

अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ

SHRI PARAMHANS RAMKRISHNA CHALISA – STUTI

WITH ENGLISH TRANSLATION

कवि (POET)
डा. यतेन्द्र शर्मा (DR YATENDRA SHARMA)

प्रकाशक (PUBLISHER)

श्री राम कथा संस्थान पर्थ
३५ मायना रिट्रीट, हिलरीज़, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया – ६०२५ ऑस्ट्रेलिआ
SHRI RAM KATHA SANSTHAN PERTH
35 MAYENA RETREAT, HILLARYS, WA 6025, AUSTRALIA

समर्पण (DEDICATION)

परम पावन परम पूज्यनीय स्वामी
श्री श्रीधरानंद जी महाराज
HIS HOLINESS MOST REVERED SWAMI
SHRI SHRIDHARANANDA JI MAHARAJ

परम पावन परम पूज्यनीय स्वामी
श्री आत्मेशानंद जी महाराज
HIS HOLINESS MOST REVERED SWAMI
SHRI ATMESHANANDA JI MAHARAJ

आपके मार्दर्शन का सदैव आभारी, आपकी कृपादृष्टि का सदैव इच्छुक

GRATEFUL FOR YOUR GUIDANCE AND ALWAYS DESIROUS OF YOUR BLESSINGS

डॉ यतेंद्र शर्मा (DR YATENDRA SHARMA)

श्री राम कथा संस्थान पर्थ
SHRI RAM KATHA SANSTHAN PERTH

निवेदन

बचपन से ही मुझे भजन, धार्मिक लघु कथायें लिखने तथा पौराणिक कथायों का पद्यान्तरण करने की अभिरुचि रही है। बचपन में माँ की मृत्यु पश्चात उनकी परम प्रिय सहेली, मेरी मौंसी, ने मुझे सम्हाला। मौंसी, या कहिये इस युग की मीरा अवतार! ब्रह्ममुहूर्त में जागने से रात्रि शयन तक बस राधा कृष्ण के प्रेम में ही डूबी रहतीं थीं। मेरा कार्य होता था - मौंसी के मंदिर में राधा कृष्ण पर पुष्प चढ़ाना, सुबह शाम पूजा में घंटा बजाना, और दोपहर को विद्यालय से आने पर सुख सागर पढ़ना।

व्यस्क होने पर सौभाग्यवस माँ आनंदमयी से निकटता और बाद में भगवान शिर्डी साईं के संपर्क में आया। पत्नी के श्री राम कृष्ण संस्थान में दीक्षित होने के कारण परम पूज्यनीय श्रद्धेय स्वामी श्री दामोदरानंद जी एवं परम पूज्यनीय स्वामी श्री मुक्तिरूपानन्द जी से उनके अल्प समय के लिये हमारे ग्रह निवास के समय संपर्क में रहा। निरंतर परम पावन श्रद्धेय स्वामी श्री श्रीधरानंद जी महाराज एवं परम पावन श्रद्धेय स्वामी श्री आत्मेशानंद जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त होता रहा। संभवतः इन्हीं सयोंगों ने ग्रहस्थ जीवन के साथ कुछ आध्यात्मिकता के बारे में भी सोचने पर विवश किया ।

किसी भी हिन्दू पर्व उत्सव समय पर मेरा कुछ ऐसा प्रयास रहा है कि मैं युवा पीढ़ी को कुछ उत्सव के बारे में अपनी कविता के माध्यम से बताऊँ। परम पावन भगवान् श्री राम कृष्ण परमहंस जी के जयंती अवसर पर उनके बारे में कुछ लिखूं, ऐसी इच्छा जाग्रत हुई। अतः उनके कुछ उपदेश मैने कविताबद्ध करने का प्रयास किया है।

पाठकों से कर बद्ध प्रार्थना है कि वह मेरी कविता का छिद्रान्वेषण छंद के व्याकरण एवं मात्रायों के आधार पर ना करें। यह तो बस मेरा प्रेम है जो कविता के रूप में उमड़ पड़ा है, बस उसी भाव से देंखें।

इस "श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति - अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ" लिखने के बाद मैं बहुत उत्सुक था कि क्या भगवान श्री परमहंस मेरी यह स्तुति स्वीकार करेंगे? मेरे आदर्श, हिन्दू धर्म पथ प्रदर्शक, सद्गुरु, पण्डित एवं महान भगवान राम भक्त श्री गोस्वामी तुलसी दास जी को तो स्वयं भगवान श्री राम ने प्रत्यक्ष रूप में दर्शन दे कर आशीर्वाद दिया था।

असी घाट के तीर पर, भई संतन की भीड़,
तुलसीदास चंदन घिसें तिलक देत रघुवीर ।

क्या मेरे प्रभु श्री परमहंस जी मुझे कोई संकेत देंगे कि उन्होने मेरी स्तुति और उसके भाव स्वीकारे हैँ? यही सोच कर मैं एक रात्रि सोने गया। सोने का भरसक प्रयास कर रहा था कि संभवतः तभी निंद्रा देवी ने मुझे अपना आगोश में ले लिया।

"यह मैं किस कंदरा में प्रवेश कर रहा हूं? यहाँ तो केवल ठंड और अंधेरापन ही है। फिर मैं इस अंधेरे की ओर क्यूँ अग्रसर हो रहा हूं? देखता हूं कि कोई एक छाया मेरे समीप आ रही है। 'बड़ी ठंड लग रही है ना वत्स, लो यह मेरा वस्त्र पहन लो', और वह छाया अपना कोई शॉल जैसा वस्त्र मेरे ऊपर डाल देती है। कौन है यह महापुरुष जो अपने स्वास्थ्य की चिंता किये बिना मेरे ठंड की परवाह कर रहा है? ठंड, थकान एवं कुंठा से व्यथित होते हुए भी मेरा हृदय यह जानने को अत्यंत उत्सुक था। मैं इस छाया के पीछे धीरे धीरे चलना प्रारम्भ करता हूं। यह क्या? इस कंदरा के गर्भ में प्रकाश! मैं विस्मित हो जाता हूं! ध्यान से इन महापुरुष के चेहरे को देखते हुए उन्हें पहचानने का प्रयास कर रहा हूं। क्या यह सत्य है? भगवान श्री रामकृष्ण परमहंस जी महाराज स्वयं मेरे सामने यहाँ उपस्थित हैं! विस्मय से मेरा मुख खुला का खुला रह जाता है। मैं उनके चरण छूने को झुकता हूं, लेकिन वह अंधेरे में लुप्त हो जाते हैं। भगवन्, भगवन्! चीखते हुए मैं इस छाया के पीछे भागने का प्रयास करता हूं कि तभी मेरी आंख खुल जाती है।"

जागने पर मैं इस स्वप्न का विश्लेषण करने लगता हूं। संभवतः भगवान ने संकेत दिया है, मेरी स्तुति को स्वीकारने का! मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं, तथा नैनों से अश्रू धार बहने लगती है।

आशा है मेरी यह छोटी सी कविता आप सब को पसंद आएगी।

आपका अपना, प्रभु के चरणों में,

डॉ यतेंद्र शर्मा, अध्यक्ष, श्री राम कथा संस्थान पर्थ

भगवान् श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती

श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति

अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ

SHRI PARAMHANS RAMKRISHNA CHALISA – STUTI

WITH ENGLISH TRANSLATION

सन अट्ठारह सौ छत्तीश, अट्ठारह फरवरी दिन ।
जन्मे परमहंस तब, हुलसित हिय सुर नर गन ।।

१८३६ ईश्वी को १८ फरवरी के दिन श्री परमहंस जी का जन्म हुआ। उनके जन्म पर सभी नर एवं देवता गणों ने उत्सव मनाया।

San Attharah Sau Chatteesh, Attharah Farvaree Din.
Janme Paramhans Tab, Hulasit Hiya Sur Nar Gan.

Shri Paramhans incarnated on 18th February 1836. The hearts of all, Gods and humans, were delighted on His birth.

नमः नमः श्री प्रभु परमहंस, जन वंदित हिय परम अंस ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१)

पूज्यनीय भगवान के अवतार, सभी के पूज्यनीय, हृदय धारित श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Namah Namah Shri Prabhu Paramhans, Jan Vandit Hiya Param Ans.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (1)

Revered incarnation of God, worshipped by everyone, Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

तुम्हीं सतपंथ के दर्शिता, जीवतत्व ज्ञान समाहिता ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२)

प्रभु आप विश्वव्यापी सत्य पथ के दर्शिता हैं, जिसमें जीवन का तत्व समाहित है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Tumheen Satpanth Ke Darshita, Jeevtatwa Gyan Samahita.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (2)

Oh God, You have enlightened us with the true path and have explained to us the elements of the life. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

नमः नमः श्रेष्ठ गुरुजन, दियो सभी आत्मशिक्षन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३)

हे महागुरू, हम अपको नमन करते हैं। आपने हम सभी को आध्यात्मिक ज्ञान दिया। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Namah Namah Shreshth Gurujan, Diyo Sabhi Atmshikshan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (3)

O my Spiritual Master, we pay our obeisances to You. You taught us the knowledge of Spirituality. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

गुरु हम तुम्हरी शरण, हिय धारण हों कमल चरण ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (४)

हे जगद्गुरु हमें अपनी शरण में लीजिए। आपके चरण कमल सदैव हमारे हृदय में निवास करें। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Guru Ham Tumhari Sharan, Hiya Dharan Hon Kamal Charan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (4)

O God, give us refuge. Your lotus feet always be seated in our hearts. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

नमन नमन प्रभु दिव्य, ध्यान से मिले सत अव्य ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (५)

हे पवित्र देव, हम अपको नमन करते हैं। आपका ध्यान सत्यता एवं सुख प्रदान करने वाला है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Naman Naman Prabhu Divya, Dhyan Se Mile Sat Avya.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (5)

O Divine Lord, we pay our obeisances to You. You are the provider of the truth and happiness. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

तुम्हीं हो विश्व पालनकर्ता, तुम्हीं चिन्त निवारणकर्ता ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (६)

हे भगवन ,आप ही विश्व के स्वामी एवं पालन करता हैं। आप शांतिदायक एवं चिंताओं का हरण करने वाले हैं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Tumheen Ho Vishwa Palankarta, Tumheen Chint Nivarankarta.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (6)

O God, You are the Lord of this Universe and nourish this whole world. You provide peace and take away all the worries. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

पावन माँ दिव्य अपर्णा, शारदा माँ विश्व अन्नपूर्णा ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (७)

हे पवित्र देवी माँ शारदा, अन्नपूर्णा माँ अवतार, हम आपको नमन करते हैं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Pawan Ma Divya Aparna, Sharda Ma Vishwa Annapoorna.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (7)

O Divine Goddess Mother Sharada, incarnation of Mother Annapoorna, we pay our obeisances to You. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

अवतरीं माँ भक्त रक्षन, किए तुरंत दूर सब दुःखन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (८)

माँ भक्तों की रक्षा हेतु अवतरित हुईं हैं। माँ, आपने तुरंत ही सभी कष्टों को दूर कर दिया है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Avatareen Ma Bhakt Rakshan, Kie Turant Door Sab Duhkhan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (8)

O Mother, You areincarnated to protect us. You have removed all the sorrows from our lives. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

परम पावन गुरु विवेकानंदा, सुमिरत हो हिय आनंदा ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (९)

हे परम पावन स्वामी श्री विवेकानंद जी, आपके स्मरण से हृदय आनंद से भर जाता है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Param Pawan Guru Vivekananda, Sumirat Ho Hiya Ananda.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (9)

His Holiness Swami Vivekanand Ji Maharaj, Your rememberance brings pleasure to the heart. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

स्तुति करें परमहंस देवा, पाएं जग सब सुख सेवा । (१०)
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस।

श्री परमहंस देव की स्तुति करने से इस संसार में सभी सुख और भोग प्राप्त होते हैं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Stuti Karen Paramhans Deva, Paen Jag Sab Sukh Sewa.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (10)

By worshipping Lord Shri Paramhans, one gets pleasure and happiness in this world. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

शरणागत प्रभु हम भूजन, प्रेरित हों उत्तम कर्मन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (११)

हे परम प्रभु, हम आपके शरणागत हैं। हमें उत्तम कार्यों के लिये प्रेरित करो। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Sharnagat Prabhu Ham Bhoojan, Prerit Hon Uttam Karman.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (11)

O Divine Lord, we take refuge in You. Please encourage us to do the noble deeds. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

सदैव करें सुकार्य भगवन, हों शुभ फलयुक्त प्रयत्न ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस। (१२)

हे भगवन, हम सदैव उत्तम कार्य करने का प्रयास करते रहें एवं हमारे प्रयत्न शुभ फलयुक्त हों। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Sadaiv Karen Subh Karya Bhagwan, Hon Shubh Phalyukt Prayatn.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (12)

O God, bless us so we continue to make efforts to do good deeds and all our efforts are fruitful. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

सदैव स्वरसंगति विराजन, शान्ति हो सदैव मेरे आँगन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१३)

हे प्रभु, हमारे हृदय में सदैव मधुर सम्बंध एवं प्रेम की अभिलाषा रहे। हमारे आंगन में सदैव सुख एवं शांति बनी रहे। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Sadaiv Swarsangati Virajan, Shanti Ho Sadaiv Mere Angan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (13)

O Lord, bless us so that we always desire harmony and love. Happiness and peace be always in our home. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

करें सदैव सत्य अनुसरन, रहें असत्य से दूर कोसन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१४)

हे भगवन, सत्य हृदय में सदैव वास करे और असत्य से हम कोसों दूर रहें। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Karen Sadaiv Satya Anusaran, Rahen Asatya Se Door Kosan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (14)

O Lord, bless us so truth always resides in our hearts, and we always be far away from untruth. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

टले ना कर्मगति हम जानें, प्रभु प्रताप सों पाप नसावें ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१५)

यद्यपि हम जानते हैं कि कर्म गति टाले नहीं टलती, फिर भी हे प्रभु , अपने प्रताप से हमारे पापों को नष्ट कीजिए। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Tale Na Karmgati Ham Janen, Prabhu Pratap Son Pap Nasaven.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (15)

We know that we have to reap the fruits of our deeds. O Lord, destroy our sins by Your radiance. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

होहिं प्रभु पग समर्पित, हम हैं तुम्हीं से रक्षित।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस। (१६)

हे प्रभु, हम आपके चरण कमलों में समर्पित हैं। आपके अतिरिक्त हमारी रक्षा करने वाला और कोई नहीं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Hohin Prabhu Pag Samarpit, Ham Hein Tumheen Se Rakshit.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (16)

O Lord, we surrender to Your lotus feet. You are our only saviour. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

तुम्हीं सर्व शक्ति समाहित, करो वही जो हमरे हित ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१७)

हे भगवन आप सर्वशक्तिमान हैं। हमारे लिए वही कीजिए जो हमारे हित में हो। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Tumheen Sarv Shakti Samaahit, Karo Vahee Jo Hamare Hit.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (17)

O Lord, You have infinite energy. Please do whatever is best to us. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

दो सद्‌बुद्धि हे भगवन, करें कर्म सभी हितजन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१८)

हे भगवन, हमें सद्‌गुण क्षमता प्रदान करें, ताकि समाज हित सेवा कर सकें। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Do Sadbuddhi He Bhagwan, Karen Karm Sabhee Hitjan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (18)

O Lord, bless us with the qualities of virtues so that we render our services to the humanity. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

करें खोज हम ईश्वरत्व, आत्मबोध और अमरत्व ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (१९)

हे प्रभु, हम ईश्वर की खोज करते हुए आत्मा के अमृत्य का बोध करें। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Karen Khoj Ham Ishwratwa, Atmbodh Aur Amaratwa.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (19)

O Lord, we move towards Godhead and gain the knowledge of sprituality and immortality. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

ना हो कोई रिपु भगवन, हों सहायक सभी भूजन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२०)

हे भगवन, हमारा कोई शत्रु न हो। सभी हमारे सहायक हों। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Na Hoi Koi Ripu Bhagwan, Hon Sahayak Sabhi Bhoojan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (20)

O Lord, we have no enemies. Every person on earth helps us. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

दूर हों सभी मोह भ्रम, जानें हम जन्म लक्ष्य मर्म ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२१)

हे भगवन हमें ऐसा ज्ञान दीजिये जिससे हम मोह माया से दूर रहें, और जीवन लक्ष्य की प्राप्ति करें। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Door Hon Sabhee Moh Bhram, Janen Ham Janm Lakshya Marm.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (21)

O Lord, give us knowledge so we keep away from illusions and obtain the aim of the life. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

एकेश्वर ज्ञान तुम दीना, समझे भिन्न वह ज्ञानविहीना ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२२)

आपने प्रभु के एकत्वका ज्ञान दिया है। जो इसे अलग-अलग समझता है, वह मूर्ख है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Ekeshwar Gyan Tum Dina, Samajhe Bhinn Vah Gyanvihina.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (22)

O Lord, You have enlightened us with the concept of the unity of Universe. Who thinks it to be otherwise, is a fool? Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

स्वर-संगति अति श्रेष्ठा, मानव प्रेम ही है प्रेष्ठा ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२३)

हे प्रभु सामंजस्य की श्रेष्ठता का ज्ञान देते हुए आपने मानव प्रेम को ही अति उत्तम बतलाया है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Swar-Sangati Ati Shreshtha, Manav Prem Hi Hai Preshtha.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (23)

O Lord, you have taught us that harmony and humanity is the best way to lead the life. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

सर्वोच्च ज्ञान तुम दीना, सुख हमरे हिय आसीना ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२४)

हे प्रभु, आपने सर्वोच्च ज्ञान दिया है कि सुख तो हमारे हृदय में ही वास करता है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Sarvoch Gyan Tum Dina, Sukh Hamare Hiya Asina.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (24)

O Lord, You have given us the best knowledge that happiness lies within ourselves (in our hearts). Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

प्रेम ही नियति संसारा, काटे यह दुःख सम आरा ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२५)

हे प्रभु, आपकी शिक्षा कि प्रेम ब्रह्माण्ड में निहित है, प्रेम ही जीवन के कष्ट आरी के सामान काट देता है, सर्वोच्च है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Prem Hi Niyati Sansara, Kate Yeh Duhkh Sam Ara.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (25)

O Lord, your teachings that love is embodied in the Universe and love eradicates all the troubles, are well founded. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

प्रेम करे प्रफुल्लित मन, प्रेम दे रचनात्मक जीवन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२६)

निःसंदेह प्रभु, प्रेम ही जीवन को पुष्पमय बनाता है, और प्रेम ही जीवन में रचनात्मकता लाता है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Prem Kare Praffulit Man, Prem De Rachanatmak Jeevan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (26)

O Lord, no doubt love makes life beautiful and constructive. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

प्रेम भावना दे समर्पन, प्रेम ना चाहे प्रतिफलन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस। (२७)

प्रेम समर्पण एक निःस्वार्थ भावना से जुड़ा है। प्रेम को कोई बदला नहीं चाहिये। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Prem Bhavana De Samarpan, Prem Na Chahe Pratifalan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (27)

Love is unselfish and does not demand any retributions. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

प्रेम ही दे भयमुक्त जीवन, प्रेम कराए भगवद-दर्शन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२८)

प्रेम जीवन को भयमुक्त बनाता है एवं भगवद-दर्शन कराता है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Prem Hi De Bhaymukt Jeevan, Prem Karae Bhagwad-Darshan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (28)

Love makes the life fearless and makes God realization. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

प्रेम ही दे जीवन सजीवता, प्रेम करे दूर सब चिंता ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (२९)

प्रेम ही जीवन को भाग्यशाली बनाता है। प्रेम से ही समस्त बाधायों का नाश होता है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Prem Hi De Jeevan Sajivata, Prem Kare Door Sab Chinta.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (29)

Love makes life fortunate and removes all the obstacles. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

प्रेम करे विश्व संगठित, प्रेम तभी जीवन स्वर्गित ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३०)

प्रेम ही विश्व को संगठित करता है। जहां प्रेम वहां स्वर्ग। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Prem Kare Vishwa Sangathit, Prem Tabhi Jivan Swargit.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (30)

Love unites the Universe. Love makes heavenly life. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

करो प्रेम तुम्हरो शिक्षन, हो व्यापक प्रेम सब मन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३१)

समस्त संसार से प्रेम करो, यही आपकी शिक्षा है। (हे भगवन हमें आशीर्वाद दें) प्रेम हमारे हृदय में सदैव स्थापित रहे। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Karo Prem Tumharo Shikshan, Ho Vyapak Prem Sab Man.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (31)

Spread the love in the Universe, is your greatest teaching. (Bless us Lord that) love always remains in our hearts. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

ना हो हिय कामुकता, करें कार्य निःस्वार्थता ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३२)

हे भगवन, हमें आशीर्वाद दो कि हम कामुकता त्याग निःस्वार्थ प्रेम को अपने जीवन का लक्ष्य बनाएं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Na Ho Hiy Kamukta, Karen Karya Nihswarthata.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (32)

O Lord, bless us that, leaving lust and other selfish attitudes, love be part of our lives. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

रहें शिशु सम अबोधा, जीवन कुटिल कठिन दुर्बोधा ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३३)

हे प्रभु, शिशु सम जीवन हो, ऐसी आपकी शिक्षा को हम हृदय धारण करें। कुटिल का जीवन तो अभिशापित ही होता है। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Rahen Shishu Sam Abodha, Jeevan Kutil Kathin Durbodha.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (33)

O Lord, bless us that we adopt a simple life style like a child. We know that the life of a crooked person is always full of problems. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

सत्य मधुर हों हमरे कथन, कृपा करें ईश्वर औ संतन् ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३४)

हे प्रभु, हमें आशीर्वाद दें कि जीवन में हम सदैव मधुर सत्य वचन ही बोलें। भगवान और संत सदैव प्रसन्न रहें। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Satya Madhur Hon Hamare Kathan, Krapa Karen Ishwar Au Santan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (34)

O Lord, bless us that we always speak kind words with truth. God and the Saints always remain pleased with us. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

सुख शांति और शुद्ध मन, यही हैं संतन के लक्षन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३५)

हे भगवन, शुद्ध हृदय सुख और शान्ति प्रदान करता है। (श्रुति वर्णित करती है) यही संतों के लक्षण हैं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Sukh Shanti Aur Shuddh Man, Yahee Hein Santan Ke Lakshan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (35)

O Lord, pure heart gives happiness and peace. (Scripture states that) This is the virtue of the Saintly persons. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

सदैव करें शुभ कर्मा, कटें कष्ट पूरन सब अरमा ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३६)

हे प्रभु, (आशीर्वाद दो कि) हम सदैव शुभ कर्म ही करें। कष्ट दूर हों तथा हमारी इक्षाओं की पूर्ति हो। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Sadaiv Karen Shubh Karma, Katen Kasht Pooran Hon Arma.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (36)

O Lord, bless us so that we do only good deeds. Bless us that our troubles are eradicated and desires are fulfilled. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

भाव हमारे हों उच्चतम, जीवन हो सक्रिय उत्तम ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३७)

हे भगवन, हमें आशीर्वाद दो कि हंमारी भावनाएं सब के प्रति सदैव उच्च हों। हमारा जीवन सदैव उत्तम कार्यों में सक्रिय रहे। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Bhav Hamare Hon Ucchtam, Jeevan Ho Sakriya Uttam.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (37)

O Lord bless us that we always have good feelings towards all, and be constructively active throughout our lives. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

स्तुति करें हम भूजन, रहे हृदय तुम्हारा सुमिरन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३८)

हम सभी पृथ्वी-वासी आपकी स्तुति करते हैं। हे प्रभु, आपका स्मरण हमारे हृदय में सदैव रहे। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Stuti Karen Ham Bhoojan, Rahe Hraday Tumhara Sumiran.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (38)

O Lord, we inhabitants of the earth pray to You. Please bless us so that we always have You in our hearts. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

पावन सदैव अंतःकरण, प्रभु-धाम पाएं जब मरण ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (३९)

हे भगवन, हमारा अंतःकरण सदैव पवित्र रहे । मरण पर हम प्रभु आपका धाम पाएं। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Pawan Sadain Antahkaran, Prabhu-dham Paen Jab Maran.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (39)

Bless us Lord that our inner conscience be always pure, and we get salvatrion on death. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

हो मोह माया उत्सादन, बनें पथ उन्नति कारन ।
नमः नमः श्री प्रभु परमहंस । (४०)

हे प्रभु, माया ममता का सम्पूर्ण विनाश हो, और यही विचार हमारे जीवन की उन्नति का कारण बने। श्री प्रभु परमहंस जी, हम आपको नमन करते हैं।

Ho Moh Maya Utsadan, Bane Path Unaati Karan.
Namah Namah Shri Prabhu Paramhans. (40)

O Lord, bless us that there be no illusiuions in our lives, and such thoughts (non-illusionary thoughts) become the way to progress towards higher goal. Shri Prabhu Paramhans, we offer our obeisances to You.

दो आशीष प्रभु परमहंस, रहो भाग हमारे हियांश ।
समझें जीवन का सारांश, मुक्ति मिले तभी दुःखांश ।।

हे प्रभु परमहंस हमें आशीर्वाद दें कि आप सदैव हमारे हृदय के अंश रहें। हम जीवन का उद्देश्य समझें जिससे हमें सभी दुःख और उसके अंशों से मुक्ति मिले।

Do Asheesh He Paramhans, Raho Bhag Hamare Hiyansh.
Samajhe Jivan Ka Saransh, Mukti Mile Tabhee Duhkhansh.

O Paramhans, bless us that You always be part of our hearts. We understand the aim of the life, and erandicate all the sorrows.

Dr. Yatendra Sharma, the poet was born in a Sanatan Dharma Hindu family. Following his family traditions, he developed an interest in reading, listening, and narrating religious scriptures since his childhood. He learnt Sanskrit in his childhood from his grandfather Shri Bhagwan Das Ji and Shri Saligram Sharma Agnihotri Ji, the great scholar of Sanskrit and retired Principal of Naravar Sanskrit Mahavidyalay. He completed his Doctorate in chemical technology from the Technical University of Graz, Austria, and now serving the mining and mineral industry of Western Australia for more than three decades.

In 2016, with the help of some like-minded friends, he founded a religious organisation 'Shri Ram Katha Sansthan Perth', based on the teachings of Bhagwan Swami Shri Ramananda Ji Acharya Maharaj, and following the traditions of 'Shri Ramanandi Sampraday'. Shri Ram Katha Sansthan Perth is continually publishing books and booklets on the life stories of the great Sanatan Dharma Saints, Devs, Devis etc, to create awareness about the Sanatan Dharma culture to the followers of Sanatan Dharma.

Shri Ram Katha Sansthan Perth (Inc)
35 Mayena Retreat, Hillarys,
WA 6025, Australia

Website: https://shriramkatha.org
Email: srkperth@outlook.com
Telephone: +61 (08) 9401 1543